ॐ ।। श्री हरिः ।।卐

श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा दिल्ली (पंजी.)

परिचय-पत्र

सुखस्य मूलं धर्म

माता दुर्गा

श्री विष्णु जी

श्री शिव जी

श्री गणेश जी

श्री सूर्य भगवान

पंच देव

पंजीकृत कार्यालय :

श्री सनातन धर्म हरि मन्दिर स्कूल
सदर थाना रोड़, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055

(पंजीकृत संख्या - S-18273/1987)

प्रशासनिक कार्यालय :

श्री गुरु रामराय उदासीन आश्रम, आरामबाग,
पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055
दूरभाष नं. : 23634553, 25525152, 27355943,
9971822213, 9212964222, 9818450684

॥ श्री हरिः ॥

प्रस्तावना

श्री सनातन धर्म विश्व का प्राचीनतम धर्म है। अतः अनादि काल से निरन्तर प्रवाहित है। यह भी सत्य है कि सनातन धर्म किसी व्यक्ति ने नही बनाया इस धर्म का आधार स्वयं परमसत्ता है। सृष्टि के साथ वेदों का प्रादुर्भाव हुआ इन्ही वेदों से वैदिक सनातन धर्म प्रतिपादित है। इसे किसी काल की सीमा से नही जोड़ा जा सकता है।

कालक्रम से धर्म की मान्यता में अनेक प्रकार की विकृतियाँ आ गई। जिससे हिन्दू दिग्भ्रमित हो गया। वैदिक सनातन धर्म के नाम पर अनेक मनीषियों ने इन विकृतियों के प्रति समाज को सचेत किया किन्तु लोभ लालच में पड़कर इन विकृतियों से कुछ लोग लाभ उठाना चाहते हैं। इसी क्रम में सनातन धर्म विरोधी देशी–विदेशी शक्तियाँ हमारी सभ्यता, संस्कृति और धर्म को प्रयत्नपूर्वक कलंकित कर रही हैं।

सनातन जगत की वर्तमान स्थिति

नैतिकता प्रधान वर्तमान भोगवादी काल में अध्यात्म प्रधान वैदिक सनातन धर्म पर विधर्मियों ने सत्ता और धन के प्रभाव से घनघोर आक्रमण प्रारम्भ किये और यहाँ की विशुद्ध यह स्थिति केवल भारत के लिए ही नहीं अपितु समग्र विश्व के लिए घातक हो सकती है। ऐसे विकट पतन की ओर अग्रसर समय में सनातन धर्म की रक्षा प्रत्येक भारतवासी का कर्त्तव्य बन जाता है। 'धर्मो रक्षति रक्षितः'। हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करेगा। भारतीय दर्शन का सिद्धान्त है 'यतोऽभ्युदयनिःश्रेयससिद्धिः सः धर्मः' जिस कर्म के करने से मनुष्य अपना अभ्युदय कर सके तथा निःश्रेयस (कल्याण) की प्राप्ति कर सके वह कर्म ही धर्म है। यह धर्म की निर्विवाद परिभाषा है।

वैदिक सनातन धर्म की सहिष्णुता तथा उदारता को उसकी दुर्बलता के रूप में नहीं देखना चाहिए। किन्तु विधर्मी समाज इसे हमारी कमजोरी मानकर विभिन्न प्रकार से हिन्दू समाज एवं सनातन धर्म पर अनेक प्रकार के आघात करता जा रहा है। देवी–देवताओं के चित्रों के विज्ञापन तथा दूरदर्शन चैनलों के माध्यम से अभद्र रूप में प्रदर्शित करना एवं अपमानित करना सा योजनाबद्ध व प्रायोजित रुप से किया जा रहा है। इन्हीं सा चुनौतियों का समुचित उत्तर देकर सनातन धर्म के वास्तविक स्वरुप से सर्वसाधारण को परिचित कराना श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा दिल्ली का संकल्प है।

हिन्दुओं के धर्मस्थल, मठ, मन्दिर, आश्रम अनेकविध समाज के प्रेरणा स्रोत रहे हैं। वे धर्म प्रचार, कला संरक्षण, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय व मांगलिक कार्यो के केन्द्र रहे हैं। किन्तु आज उचित दिशा निर्देश तथा सशक्त संरक्षण के अभाव में इन

।। श्री हरिः ।।

धर्म स्थलों की दशा चिंतनीय है। हिन्दू समाज की उपेक्षा तथा शासकों की पाश्चात्य प्रेरित गलत नीतियों के परिणाम स्वरूप धर्मस्थलों की रक्षा करना कठिन होता जा रहा है। इन्ही सभी ज्वलंत विषयों को ध्यान मे रख कर दिल्ली से कुछ अनुभवी सनातन धर्म प्रेमियों श्री जयकिशन दास अग्रवाल, श्री मनोहर लाल कुमार, श्री मानस वाचस्पति पं. त्रिलोक मोहन, श्री रोशन लाल अग्रवाल, श्री गणेश शास्त्री, श्री जय नारायण खण्डेलवाल, श्री राजकुमार ऐरी, श्री बंसी लाल वर्मा, श्री रामगोपाल शुक्ल, श्री महन्त जगदीश गिरि, श्री योगराज ने मिलकर सन् 1987 मे समय की मांग के अनुरुप दिल्ली प्रदेश के समस्त सनातन धार्मिक सस्थानों का एक सुदृढ संगठन खड़ा करने की योजना बनाई और इस प्रकार श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा दिल्ली का श्री गणेश हुआ और सभी मन्दिरों को एकसूत्र में बाँधने का कार्यक्रम आरम्भ हुआ। सभा का कार्य केवल मन्दिरों को धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों में सक्षम बनाना होगा। पारस्परिक परामर्श सहयोग से सनातन जगत् की सभी समस्याओं का समाधान होगा।

सभा के उद्देश्य

1. दिल्ली के समस्त सनातन धर्म मन्दिरों को संगठित कर दिशा निर्देश देना ।
2. सनातन धर्म की शास्त्रीय मर्यादाओं का संरक्षण एंव संवर्धन करना।
3. सनातन धर्म पर प्रहार करने वालों को समुचित उत्तर देते हुए सनातन धर्म के अनुकूल जनमानस को तैयार करना।
4. धार्मिक शिक्षा का प्रचार–प्रसार करना।
5. शास्त्रीय परम्परा के अनुरूप धर्मप्रचारक के रुप में अर्चकों को प्रशिक्षित करना।
6. शास्त्र मर्यादानुकूल कर्मकाण्डी विद्वानों को तथा उपदेशकों को प्रशिक्षित करना।
7. योग साधना एवम् धार्मिक शिक्षा आधारित बाल व्यक्तित्व विकास करना।
8. सनातन धर्म से सम्बन्धित व्रत–पर्व त्योहारों को शास्त्रीय पद्धति से व्यक्तिगत एवं सामूहिक रुप से आयोजित करना।

सभा की कार्यप्रणाली

1. विभागीय समितियों का गठन कर क्षेत्र के मन्दिरों को धार्मिक एवं सेवा कार्यों में प्रवृत्त करना।
2. मन्दिरों के हितों की सभी दृष्टिकोणों से रक्षा करना एवं धर्म प्रचारक भजनीक तथा कर्मकाण्डी अर्चकों को प्रशिक्षित करना।।
3. विभागीय स्तर पर सामूहिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।

॥ श्री हरिः ॥

4. मन्दिरों में दैनिक पूजाविधि एवं आरती आदि के समय में एकरूपता लाना।
5. सभा के उद्देश्यों के प्रचार हेतु धार्मिक साहित्य प्रकाशित करना।
6. मन्दिरों के लिए धर्मप्रचारक भजनीक एवं अर्चकों को उपलब्ध कराना।
7. सनातन धर्म से सम्बन्धित/संचालित विद्यालयों का सशक्त संगठन खड़ा कर बच्चों तथा युवाओं को सनातन वैदिक परम्परा से अवगत कराना।
8. धार्मिक यात्राओं का आयोजन करना।
9. वार्षिक व्रत पर्वोत्सव पुस्तिका का प्रकाशन कर पर्व तिथियों का निश्चय करना।
10. सनातन समाज के धार्मिक, सामाजिक व राष्ट्रीय कर्तव्यों का बोध कराने हेतु "सनातन संदेश" मासिक पत्रिका का प्रकाशन वर्ष 2000 से नियमित हो रहा है। उसे और अधिक समर्थ बना।
11. युवाओं को संगठित कर धार्मिक, सामाजिक व नैतिक शिक्षा देकर उन्हें राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध करना।
12. महिला संगठन के माध्यम से उन्हें धर्म प्रचार, संस्कार सेवा में संलग्न करना।
13. गौ सेवा, गो संवर्धन के लिये गोष्ठियों का आयोजन करना।
14. सभा के कार्य संचालन हेतु भव्य सनातन धर्म भवन का निर्माण करना।
15. एक पुस्तकालय की स्थापना, जिसमें आधुनिक उपकरण भी उपलब्ध हो, जिसमें सनातन धर्म की सभी शाखाओ से सम्बद्ध सन्दर्भ ग्रन्थों का संग्रह हो। वैदिक साहित्य, उपनिषद, इत्यादि सभा की प्राथमिकता होगी।

अमूल्य निःशुल्क सेवाएँ

1. पिछड़े बन्धुवर्ग से सम्बन्धित अनाथ युवकों एवं कन्याओं का सामूहिक विवाह तथा व्यक्तिशः अन्य प्रकार आर्थिक सहायता।
2. विकलांगों को विविध प्रकार की सहायता एवं स्वावलम्बी बनाना।
3. अभावग्रस्त विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता।
4. यथा सम्भव प्रत्येक मन्दिर के माध्यम से जनसमाज के लिये सेवा–प्रकल्प का सुचारु संचालन।
5. वृद्धों की हर प्रकार से देखभाल एवं सम्मान।
6. अस्पतालों में निःशुल्क रक्त प्रदान करवाना।
7. गीता प्रेस गोरखपुर के साहित्य का प्रसार करना।
8. वनवासी परिवारों की सेवा एवं सहायता।

॥श्री हरिः॥

वार्षिक गतिविधियाँ

1. प्रतिवर्ष रामायण एवं गीता ज्ञान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिससे अनेक विद्यालय भाग लेते हैं प्रतियागिताएं क्षेत्रीय एवं केन्द्रीय स्तर पर होती है। प्रतिवर्ष मई–जून मास में बालकों/बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास हेतु योग आधरित नैतिक शिक्षा शिविर मन्दिरों में आयोजित किए जाते हैं।
2. अक्षय तृतीया/बसन्त पंचमी पर निर्धन कन्याओं के सामूहिक सरल विवाह आयोजित किये जाते हैं।
3. अव्यवस्थित एवं अस्थायी मन्दिरों को व्यवस्थित तथा स्थायित्व प्रदान करना सभा का प्रमुख कार्य है।
4. विशेष पर्वो पर क्षेत्रीय स्तर पर सामूहिक शोभा यात्राओं तथा विशेष अनुष्ठानों आदि में सभा की सहभागिता रहती है।
5. विभिन्न संस्थाओं का समन्वय कर मन्दिरों में अभावग्रस्त परिवारो के लिए सभी प्रकार के सेवा प्रकल्प चलाये जाते हैं।
6. सभा के वार्षिकोत्सव के रूप में गीता जयंती महोत्सव के क्षेत्रीय तथा केन्द्रीय आयोजन मनाये जाते हैं।

कार्यप्रणाली

सोयायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट में रजिस्टर्ड दिल्ली के श्री सनातन धर्म मन्दिर वार्षिक 1100 रुपय तथा आवेदन–पत्र की प्रपूर्ति कर सभा की सदस्यता ग्रहण कर सकता है जिसमें कार्यकारिणी की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

प्रशासनिक व्यवस्था के लिये दिल्ली को 5 विभागों मे विभक्त कर प्रत्येक विभाग में प्रभारी को नियुक्त किया गया है। इन 5 विभागों को पुनः 20 जिलों मे विभाजित किया गया है जिसमें एक जिला अध्यक्ष व एक जिला मंत्री को मनोनीत कर इनके द्वारा जिला समिति का गठन किया जाता है। यह जिला समिति केन्द्र से सम्पर्क रखते हुए जिला की गतिविधियों का संचालन करती है। जिला समिति का अत्यधिक महत्व रहता है और यह सभा का आधार स्तंभ है।

केन्द्रीय कार्यकारिणी का गठन श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा दिल्ली की आम सभा में होता है। जिसमें सदस्यता प्राप्त सनातन धर्म सभाओं/मंदिरों द्वारा तीन नामित सदस्य श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा दिल्ली के सदस्य कहलाते है। उन्हीं चुने सदस्यों द्वारा कार्यकारिणी का चुनाव एवं गठन होता है। समिति में लगभग 101 सदस्य होते हैं। कार्यकारिणी की बैठक समय–समय पर होती रहती है किन्तु पदाधिकारियों की बैठक मास में एक बार होती है।

विनम्र प्रार्थना

सनातन–धर्म–बन्धुओं से निवेदन है कि वर्तमान में मन्दिरों से सम्बन्धित बन्धुओं पर बहुत बड़ा उत्तरदायित्व है कि वे आज धर्म के प्रति दिग्भ्रमित सामान्य जन में श्रद्धा और विश्वास का विशेष आधान करे। अन्यथा कालान्तर में समाज एवं परिवार का नेतृत्व करने पर उनमें धर्म के प्रति श्रद्धा विश्वास नही होगा। इससे

।। श्री हरिः ।।

निश्चित रुप से सनातन हिन्दू समाज तथा राष्ट्र का बहुत बड़ा अहित होगा। अतः हम अपने उत्तरदायित्व का अवश्य निर्वहन करें तथा प्रत्येक सनातन बन्धु तन–मन धन से सभा से अथवा किसी न किसी एक मन्दिर से जुड़कर देश, समाज व धर्म की समर्पण भाव से सेवा करें।

इन सारी व्यवस्थाओं के निर्वहन के लिए केन्द्रीय/विभागीय एवं जिला पदाधिकारी वार्षिक 2100/– रु0 सहयोग राशि के रुप में सभा को दे रहे है। सम्पन्न सनातन धर्मावलंबी बन्धु 15000/– रु0 का सहयोग दे कर संरक्षक मण्डल के सदस्य बन सकते है। उक्त राशि सभा के फिक्सड डिपॉजिट में जमा रहेगी आजीवन सदस्यता बनने हेतु 5000 रू. का सहयोग प्रार्थित हैं।

आह्वान

विभिन्न क्षेत्रों के मन्दिर तथा जिला समितियों के लिए कर्मठ युवा सनातन धर्म बन्धुओं की अत्यन्त आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में हम आपकी ओर आशा भरी पवित्र दृष्टि से देख रहे हैं और हमें पूरी आशा ही नही परन्तु विश्वास है कि दिल्ली का समस्त सनातन जगत पूज्य सन्तों की छत्रछाया में जुड कर के एक आवाज बनेगा।

आओ सनातनजगत में एक आवाज से तन–मन–धन की आहुति प्रदान करें आप भी जागे औरो को भी जागृत करें जिससे आने वाली पीढ़िया गर्व का अनुभव कर सकें – यही हमारी वाणी है।

निवेदक : श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा दिल्ली प्रदेश

विभागीय कार्यालय

पश्चिमी दिल्ली विभाग : (1) श्री सनातन धर्म मन्दिर, श्री राम मन्दिर मार्ग, सी–3 बस स्टाप, जनक पुरी, नई दिल्ली – 110058 फोन : 25525152, 32717053, 9212964222

(2) श्री दुर्गा मन्दिर सभा, ए–5, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110063 फोन : 25273081, 9818553250

उत्तरी दिल्ली विभाग : सिद्धपीठ श्री नवदुर्गा मन्दिर डी.यू. ब्लॉक, पीतम पुरा, दिल्ली–110034 फोन : 8510051008, 011–27342495

दक्षिणी दिल्ली विभाग: श्री लक्ष्मी नारायण मन्दिर सभा (पंजी.) मालवीय नगर, नई दिल्ली–17 फोन : 26680267, 26671855

मध्य दिल्ली विभाग : श्री लाल मंदिर सभा, पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली–110008, फोन : 25782637

पूर्वी दिल्ली विभाग : श्री राम मंदिर सभा (पंजी.), विवेक विहार, दिल्ली–110092, फोन : 22145863, 22162614

प्रशासनिक कार्यालय : श्री गुरू रामराय उदासीन आश्रम, आराम बाग, पहाड़ गंज, नई दिल्ली–110055, फोन: 23634553, 23619485

पंजीकृत कार्यालय : श्री सनातन धर्म हरि मन्दिर स्कूल सदर थाना रोड़, पहाड़गंज, नई दिल्ली–110055

सर्वे भवन्तु सुखिना, सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणी पश्च्यन्तु, मा दुःख भाग भवयेत्॥

सब में राम　　　　सब के राम